श्री कुलदीप नारायण, जिला पदाधिकारी, मुंगेर की अध्यक्षता में दिनांक 16.12.2011 को समाहरणालय सभागार में सम्पन्न DLCC/DLRC की समीक्षा बैठक की कार्यवाही :–

उपस्थितिः–

1. जिला पदाधिकारी, मुंगेर।
2. उप विकास आयुक्त, मुंगेर।
3. वरीय उपसमाहर्त्ता बैंकिग, मुंगेर
4. जिला कृषि पदाधिकारी, मुंगेर।
5. जिला विकास प्रबंधक, नाबार्ड, मुंगेर।
6. अग्रणी जिला प्रबंधक, मुंगेर।
7. महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, मुंगेर।
8. बैंकों के जिला समन्वयक, मुंगेर जिला।

सर्वप्रथम बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों की समीक्षा की गयी एवं पूर्व आयोजित बैठक में दिये गये निदेश के अनुपालन प्रतिवेदन की समीक्षा की गयी। तत्पश्चात् बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की गयी :–

1- ACP प्रतिवेदन की समीक्षा :–

पूर्व बैठक में सभी बैंकों के जिला समन्वयकों को निदेश दिया गया था कि वे जो प्रतिवेदन अपने क्षेत्रीय कार्यालय को भेजते हैं उसकी एक प्रति अधोहस्ताक्षरी एवं लीड बैंक प्रबंधक, मुंगेर को उपलब्ध करायेंगे परन्तु समीक्षा के दौरान ज्ञात हुआ कि अधिकांश बैंकों से प्रतिवेदन अप्राप्त है जिस पर अध्यक्ष DLCC/DLRC सह जिला पदाधिकारी के द्वारा रोष प्रकट किया गया। तदोपरान्त बैंकवार कार्यों की समीक्षा की गयी –

(क) इलाहाबाद बैंक :– समीक्षा के क्रम में स्पष्ट हुआ कि इलाहाबाद बैंक के 06 शाखाओं में 05 शाखाओं से कोई भी प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। साथ ही श्री मनोज कुमार सिंह जो स्वयं इलाहाबाद बैंक के जिला समन्वयक हैं, उनके शाखा से भी प्रतिवेदन नहीं भेजा गया है जो उनके कार्य के प्रति लापरवाही एवं अरूचि को दर्शाता है।

इस निमित्त उप विकास आयुक्त, मुंगेर को निदेश दिया गया कि वे अपने स्तर से सभी संबंधित कार्यालयों को पत्राचार करेंगे कि इलाहाबाद बैंक के सभी शाखाओं में सरकार की विभिन्न विकासपरक योजनाओं का जितना एकाउण्ट खोला गया है उसे यथाशीघ्र बंद करें तथा विगत एक साल तक किसी भी प्रकार का एकाउण्ट नहीं खोला जाय। उप विकास आयुक्त, मुंगेर उक्त निदेश का अनुपालन प्रतिवेदन एक सप्ताह के अन्दर अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध करायेंगे।

(ख) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया :– के द्वारा माह सितम्बर 2011 का प्रतिवेदन आजतक विहित प्रपत्र में उपलब्ध नही कराया गया है। जिला समन्वयक के द्वारा हस्तलिखित प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है जो की विश्वसनीय प्रतीत नहीं होता है। प्रतिवेदन नहीं जमा करने के सबंध में जिला समन्वयक ने बतलाया कि शाखा प्रबंधकों के द्वारा प्रतिवेदन नहीं भेजने के कारण ऐसा हुआ है।

(ग) यूको बैंक :–समर्पित प्रतिवेदन के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि यूको बैंक ने अपने प्रगति प्रतिवेदन में उपलब्धि को 100% दर्शाया यह विश्वसनीय नहीं प्रतीत होता है।, पृक्षा करने पर यूको बैंक के जिला समन्वयक ने बतलाया कि 73 करोड़ के ACP उपलब्धि में 50 करोड. बिहार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को दिये गए LOAN को सम्मिलित किया गया है । इस सबंध में अध्यक्ष महोदय ने यह निर्देश दिया कि ACP उपलब्धि में inter bank loanning अथवा refinance को नहीं रखा जाना चाहिए। यूको बैंक के विभिन्न शाखाओ के प्रतिवेदन के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि कई जगहों पर cutting तथ over writing किया गया है, जिस से आंकडा स्पष्ट नहीं हो पा रहा है । अध्यक्ष ने निदेश दिया कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो ।